

## कब्र से निकलकर मजदूरी करने वाले मुरदे

तंजानिया का पेम्बा द्वीप वहां के जन-जातीय लोगों में फैले अंधविश्वासों और चमत्कारों के लिए बड़ा प्रसिद्ध है। रात में तो अक्सर ऐसी-ऐसी अजीबोगरीब घटनाएं घटती रहती हैं कि जिन्हें सुनकर लोगों को विश्वास ही नहीं होता। यहां की मुख्य फसल गन्ना है। जब गन्ना बोया जाता है तो उस समय ही मजदूरों को तलाश कर गन्ना कटाई के लिए आदमी तय कर लिए जाते हैं।

पेम्बा में फिलिप आकर बड़ा परेशान था, ईख की खेती के ओवरसियर के रूप में वह वहां पहली बार आया था और जब वह खेत देखने निकला तो उसे वहां के लोगों के विचित्र व्यवहार और धार्मिक कर्मकांडों ने परेशान कर दिया। अपनी मोटरसाइकिल पर बैठकर उसने जब पहले दिन उस इलाके की सैर करनी चाही तो उसे ध्यान आया कि क्यों न खेतों की रखवाली करने वाले तवाडे को साथ ले लिया जाए। तवाडे को मोटरसाइकिल के पीछे बैठा कर जब वह गांव के ईख के खेतों की तरफ रवाना हुआ तो बीच मैदान में कब्रों के पास बैठे कुछ लोगों को लाठियां-डंडे लिए कब्रों की निगरानी करते देखकर चौंक उठा। तवाडे ने बाद में उसे बताया कि गांव के कुछ तांत्रिक कब्रों में से मुरदे न निकाल लें बस इसकी ही पहरेदारी वे लोग अक्सर रात में करते हैं। फिलिप जिस समय ईख के खेतों के पास से गुजर रहा था उस समय दोपहर थी। कब्रों के रखवाले रात की पहरेदारी के बाद उबासी लेकर वहीं लेटे हुए थे।

फिलिप के गांव में आने की खबर पूरे गांव में फैल गई थी। यूँ गांव में आबादी थोड़ी थी फिर भी काम धंधा वहीं पाने के लिए ज्यादातर गांव वाले हर नए व्यक्ति के पास दौड़कर जाते थे। फिलिप तो ईख के खेतों की कटाई के लिए और उनके लदान के लिए वहां आया था। गांव वालों को विश्वास था कि फिलिप के पास जाने पर जरूर काम मिलेगा। 10 दिन गांव में गुजार कर आखिर में फिलिप ने तवाडे को काफी मजदूर ईख की कटाई के लिए लाने को कहा। लेकिन काफी दौड़-धूप के बाद भी तवाडे ज्यादा लोग नहीं ला पाया था।

उस दिन रात के दस बजे थे फिलिप चिंता में डूबा ईख के खेत में लकड़ी के बने तख्त पर बैठा था कि एक काला व्यक्ति लाठी टेकते-टेकते फिलिप के पास आया और बोला—“मैंने सुना है कि आपको ईख की कटाई के लिए काफी लोगों की जरूरत है। मैं आपको काफी लोग काम करने के लिए दे सकता हूँ।” बातचीत के बाद ईख की कटाई करने वाले मजदूरों की मजदूरी तय हो गई और वह व्यक्ति मजदूरों की मजदूरी एडवांस में ही ले गया। फिलिप खुश था कि मजदूरी एडवांस में देकर

उसने कम से कम खेतों की कटाई के लिए मजदूर तो तय कर लिए थे। फिलिप को मजदूरों की व्यवस्था करने वाला बंटू कुछ विचित्र लगा था। गले में लटकी तरह-तरह की मालाएं, हाथ में बंधे काले डोरे। कपड़ों की जेबों में रखी तरह-तरह की चीजें और उसके हाथ में लटका थैला उसे काफी रहस्यमय बना रहा था। फिलिप को लगा कि जैसे वह कोई धार्मिक काम करने वाला वहां का कोई पुजारी या तांत्रिक हो लेकिन फिलिप को उसके धार्मिक रीति-रिवाजों या कपड़ों से क्या लेना-देना। उसे तो ईख की कटाई के लिए मजदूर चाहिए थे। काम करवाना और मजदूरी देना ही उसके लिए जरूरी था। हां, उसे मजदूर लाने वाले उस बंटू में कुछ विचित्र बातें नजर आईं जरूर थीं। सबसे बड़ी बात भी रात के समय चांद की रोशनी में काम करवाने की शर्त। बंटू ने फिलिप को साफ-साफ बता दिया था कि उसके लिए मजदूर सिर्फ रात में ही काम करेंगे।

नियत समय पर पेम्बा में मीलों फैले ईख के खेतों की कटाई शुरू हो गई। बंटू अपने मजदूर लेकर रोजाना खेतों में आता और सुबह होने से पहले ही मजदूरों को साथ लेकर चला जाता था। खेतों में काम करने वाले मजदूरों में बंटू के मजदूरों के अलावा और मजदूर भी थे। कुछ दिनों बाद वहां काम कर वाले मजदूरों में कानाफूसी होने लगी। बंटू के मजदूरों को काम करते देखकर दूसरे मजदूरों को उनका व्यवहार बड़ा अजीब लगता था। वे मजदूर न तो किसी से बोलते थे और न ही थकते थे। लगातार काम करते रहते थे। बंटू उन्हें बुरी तरह डांटता-फटकारता, उन्हें मारता फिर भी मजदूर कुछ नहीं बोलते थे। यहां तक कि बंटू के मजदूर मशीन की तरह तेजी से ईख के खेतों की कटाई करते। निश्चित समय पर बंटू के मजदूरों ने काम पूरा कर दिया, बस एक खेत की कटाई ही बाकी थी। तभी एक घटना घट गई।

उस दिन पूरे चांद की रोशनी फैली हुई थी बंटू के मजदूर लाइन में बिना आवाज किए पथराई आंखों से बंटू के पीछे-पीछे चले आ रहे थे। वहीं पास में गांव का एक अधेड़ व्यक्ति हाउले भी खेतों की तरफ कटाई के लिए जाने वाला था कि अचानक उसने चांद की साफ रोशनी में कुछ दिनों पूर्व मरे और कब्र में दफनाए अपने छोटे भाई पाउले को देखा। वह हक्का-बक्का होकर पाउले को देखता रहा और जब पाउले उसके पास से बिना उसकी तरफ देखे गुजर गया तो उसे थोड़ा ताज्जुब हुआ। हाउले ने अपने भाई को नाम से पुकारा तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। हाउले की तरह ही उसके एक दूसरे साथी मजदूर ने दो वर्ष पहले मरे अपने पिता को खेतों में ईख की कटाई करते देखा तो वह भी आश्चर्य में पड़ गया। धीरे-धीरे वहां कानाफूसी तेज हो गई और सभी मजदूर डरे हुए से बंटू के मजदूरों को देख रहे थे।

अचानक मजदूरों में से एक बड़ी उम्र का मजदूर बोला, हो न हो ये जोम्बी (जिंदा लाशें) हैं, जिन्हें बंटू तंत्र-मंत्र से उनकी कब्रों में से निकाल लाया है और उनसे काम करवा रहा है। जोम्बी का नाम सुन सभी मजदूर चौंके और शोर मचाने लगे। रात बीतने में अभी एक घंटा बाकी था। अचानक मजदूरों में बढ़ते शोर से फिलिप घबराया हुआ उन मजदूरों के पास आया। मजदूरों ने बंटू के अनोखे मजदूरों के बारे में जब ईख के खेतों की कटाई करवाने वाले ओवरसियर फिलिप को बताया तो उसे



शुरू में तो विश्वास नहीं हुआ। तब मजदूर बंटू के मजदूरों को पकड़कर बातें करने की ठानकर खेतों की तरफ चल पड़े। दूर खेतों में अपने मजदूरों से कटाई करवाते बंटू को पलक झपकते देर नहीं लगी कि माजरा क्या है। उसने अपने मजदूरों को आवाज लगाकर भागने को कहा।

कुछ ही देर में बंटू के मजदूर वहां से गायब हो गए। हां, दूसरे मजदूरों ने एक नई बात जरूर देखी। खेतों से दूर बने कब्रिस्तान की तरफ बंटू के मजदूर भाग रहे थे और वहां बनी कब्रों में घुसने के लिए छटपटा रहे थे। बंटू के मजदूरों का सुबह होने पर राज खुला। बंटू एक तांत्रिक था।

उसने कब्र में दफन मुरदों को जिंदा कर ईख के खेतों की कटाई करवाई थी। इस बात का राज तब खुला जब वही के कुछ मजदूरों ने उस दिन पूरे चांद की रोशनी में मरे अपने सगे-संबंधियों को काम करते देखा।

